गणित का चौराहा - 1218

8	-	9	+	7	6
+		x		-	
6	+	4	-	5	5
/		-		-	
2	+	1	-	3	0
11		35		-1	

मिनी सुडोकू-359 का हल

3	4	5	2	1	6
2	6	1	5	3	4
6	3	2	4	5	1
1	5	4	6	2	3
5	1	6	3	4	2
4	2	3	1	6	5

छत्तीसगढ़ शब्द पहेली क्रमांक-1458 का सही उत्तर

चं	गा		गु	नु	द	गी		जे	ब
च	र	स		न	शा				रा
ल	त		अं				म	ह	क
भ		सिं	गु	र	वि	वा	द		ओ
ट्रा			र		ग		द	ड़	बा
चा	ह	त			त	म	गा		मा
र्य		र		चि		जा	र		
	न	फ	र	त		र		ओ	स
		दा		चो	खा		त		ह
चो	क	र		र		अ	र	मा	न

पहले पेज से आगे

पुलिस चुस्त, किसान प्रदर्शन सुस्त

वापस लेने और दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई किए जाने, सिंचाई हेतु निजी नलकूप खनन पर लगा प्रतिबंध हटाने, सूखा ग्रस्त किसानों को प्रति एकड़ 5 हजार रुपए मुआवना, गन्ना का समर्थन मूल्य 280 रुपए प्रति क्विंटल, रबी फसल में उत्पादित धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर किए जाने और फसल बीमा की क्षतिपूर्ति ग्राम इकाई के आधार पर दिए जाने की मांग को लेकर किसानों में असंतोष है।

श्री प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने चुनावों के दौरान मांगों से जुड़े कई वादे राज्य के किसानों से किए थे, जिन्हें सरकार अब पूरा नहीं कर पा रही है। कृषि की नीतियों में सुधार न होने व सरकार का समर्थन न मिलने से मजबूरन लाखों किसानों को खेती का पुस्तैनी धंधा छोड़ना पड़ रहा है।

किसानों कि इन मांगों के समर्थन में पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, क्षेत्रीय पार्टियों व छात्र संगठनों ने भी रैली में हिस्सा लिया। राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता भी बड़ी तादात में रैली में शामिल हुए।

ट्रक की ठोकर से युवक की मौत

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 18 मार्च। ग्राम छिंगोल में कल शाम एक ट्रक व मोटर साइकिल में जबर्दस्त भिडंत हो गई। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

शहर के चमड़ा गोदाम मोहल्ला निवासी खगेश्वर गोड़कल सुबह मोहल्ल के ही लक्ष्मीनारायण राठिया के साथ सगाई समारोह में शामिल होने मोटर साइकिल से तमनार थानाक्षेत्र के ग्राम जरेकेला मुड़ीनार गया था। वापस लौटते समय शाम को तमनार पूंजीपथरा के बीच ग्राम झिंगोल मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रक चालक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में लक्ष्मीनारायण ट्रक के पहिए में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खगेश्वर दूर फेंका गया जिससे उसे गंभीर चोटें आई है। उसे तत्काल पुलिस द्वारा तमनार अस्पताल में दाखिल कराया गया जहां प्रारंभिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भेजा गया है। घटना के बाद से ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार है।

आखिरी पेज से आगे

सूखे गांव का पानी बिक रहा

ग्रामीण कहते है कि गांव का वातावरण प्रदूषित हो गया है। दमा व श्वांस रोग की शिकायतें बढ़ गई हैं। ईंट भट्ठों के लिए हरे-भरे पेड़ काटे जा रहे हैं और प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है। कृषि के लिए नए बोर खनन की अनुमति जिलाधीशय द्वारा किसानों को नहीं दी जा रही है। वहीं ईंट भट्ठा मालिकों द्वारा शासन के नियमों की अनदेखी करते हुए अवैध रूप से खुलेआम बेखौफ बोर खनन कराए जा रहे हैं। 17 मार्च को इस गांव में जिलाधीश ठाकुर रामसिंह आए। ग्रामीण सोच रहे थे कि उनकी शिकायत पर कार्रवाई होगी लेकिन वे ईंट भट्ठों को नजरअंदाज कर शाला भवन एवं उमरावनगर गोरखपुर मार्ग निर्माण कार्य का अवलोकन कर चले गए।

बस्तर में डेढ़ सौ शाला भवन अधूरे

श्री कश्यप के पूरक प्रश्न के जवाब में स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह कार्य पंचायतों के माध्यम से कराए जाने हैं। सभी पंचायतों को इसके लिए राशि दी गई है। मगर, पंचायतें काम नहीं करवा पा रही हैं। इससे विभाग परेशान है। उन्होंने कहा कि नए पदाधिकारियों से संपर्क कर निर्माण कार्य पूरा करने के लिए कहा जाएगा। भाजपा सदस्य ने कहा कि कई स्थानों पर काम शुरू नहीं हुए हैं और कई स्थानों पर अधूरे निर्माण के आधार पर पैसा निकाल कर पंचायत प्रतिनिधियों ने यहां-वहां खर्च कर दिया है इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि शिक्षा मिशन के अध्यक्ष कलेक्टर होते हैं। जहां भी निर्माण कार्य पूरा किए बिना राशि आहरित करने की शिकायत आएगी, ऐसे पंचायत प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गणगौर पर्व पर राजस्थान की यादें

बीकानेर में गणगौर की खासी धूम हुआ करती है। गणगौर लेकर दौड़ती महिलाओं के बीच वहां स्पर्धा होती है और विजेता को इनाम भी मिलता है। पौराणिक प्रसंग की जानकारी देते हुए चत्रमाला कहती हैं माना जाता है गौर अकेले माइके आई हुई थीं जब उन्हें लिवाने के लिए ईसर आते हैं तो गौरा के मायके में उनका आतिथ्य सत्कार होता है लेकिन गौरी के हिस्से में बाजरी आती है।

ईसर इस स्थिति को भांप जाते हैं और वास्तविकता का पता लगाने में सफल भी हो जाते हैं लेकिन गौरी उनसे इस वास्तविकता को अपने तक रखने का आग्रह करती हैं। स्त्री द्वारा ससुराल और मायके के मान सम्मान को बनाए रखने की ये पौराणिक प्रसंग आज भी मान्य है। राजस्थान में लोग अपनी लड़कियों को दहेज में गणगौर देते हैं।

चैत्र तीज को गणगौर पूजा का उल्लास लिए कांता कोणरी ने बताया आज मिलजुलकर गोपाल मंदिर में जहां महिलाएं गणगौर की पूजा करेंगी वहीं कल गोंठ (भोज) का आयोजन किया जाएगा। तारा सोनी ने बताया परम्परानुसार वो सासू मां के गणगौर की सालों से विधिवत पूजा करती आ रही है। पहले हालाकि मिट्टी के गणगौर बनते थे लेकिन अब सहुलियत के हिसाब से लकड़ी के गणगौर बनाए जाते हैं। आज के दिन उनके यहां विशेष रूप से बथुए का रायता बनता है।

सदर बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर में गणगौर पूजा की तैयारी की जा रही है। इस दौरान 100 वर्ष पुरानी गणगौर की आकर्षक साज सज्जा की जा रही है।

यौन शोषण : पादरियों के ब्रह्मचर्य समाप्ति की सलाह

पहले पेज से आगे

सेरीन जोंस ने कहा है कि अगर आज गिरजों में महिलाओं के हाथ में सत्ता आ जाए तो इससे बहुत फर्क पड़ेगा। सीएनएन से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कम शोषण करती हैं।

जबकि एक अन्य अग्रणी धार्मिक नेता जोंस के इस तर्क से असहमति व्यक्त करते हुए कहा है कि यह सही नहीं है, लेकिन महिलाएं यौन शोषण की शिकायत ज्यादा प्रभावकारी तरीके से करती है, इसलिए गिरजे में ज्यादा महिलाएं होने से इस तरह घटनाओं को दबाया नहीं जाएगा।

विद्वानों की यह बहस इस चर्चा के बीच हो रही है कि पोप ने चर्च के उच्चतम स्तर पर हो रहे बाल यौन शोषण पर रोक लगाने के लिए कोई कदम उठाने की बजाये दसियों सालों तक ऐसी घटनाओं पर पर्दा डाला। कैथोलिक चर्च के कुछ आलोचक कह रहे हैं कि जब तक पादरियों पर ब्रम्हचर्य की शर्त होगी तब तक गिरजों में यौन शोषण जारी रहेगा।

दुनिया भर में छिड़ी बहस

नीदरलैंड में बाल शोषण के मामलों में कई चर्च संस्थानों की इंडिपेंडेंट एक्सटर्नल इन्क्वायरी का ऐलान किया गया है। ऑस्ट्रिया के एक पादरी ने भी पद छोड़ दिया और स्वीकारा कि उसने 20 से ज्यादा बच्चों का शोषण किया है। स्विस कैथलिक चर्च ने भी यौन शोषण के 60 मामलों में जांच शुरू की है। आयरलैंड और अमेरिका में बच्चों का शोषण पहले ही चर्च की प्रतिष्ठा और उसे मिलने वाली आर्थिक मदद पर चोट कर चुका है।

वी आर चर्च नाम की एक संस्था का कहना है कि वैटिकन को यह बात माननी चाहिए कि यौन हिंसा दुनिया भर में कैथलिक चर्च की एक बड़ी समस्या है। दो ऑस्ट्रियन आर्क बिशप ने पादरियों के लिए कुंवारा रहने और सेक्सुअल रिलेशन से दूर रहने की जरूरत पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ब्रह्मचारी रहने की आवश्यकता का पादरियों द्वारा बाल यौन शोषण में अहम रोल हो सकता है।

वियना के आर्क बिशप ने भी कहा कि ब्रह्मचारी रहने की शर्त इसकी एक वजह हो सकती है। हालांकि पोप बेनिडिक्ट 16वें का कहना है कि रोमन कैथलिक पादरियों के लिए ब्रह्मचर्य बहुत जरूरी है। ब्रह्मचर्य पूर्ण श्रद्धा की निशानी है। इसका मतलब है कि कोई ईश्वर और दूसरों को समर्पित है। जबकि उनके चर्च के कुछ सीनियर मेंबर्स का कहना है कि यह बच्चों के यौन शोषण की एक वजह हो सकता है।

कई वेबसाइटों सहित ऑनलाइन फोरम में भी इस पर चर्चा चल रही है। कुछ लोगों का मानना है कि पादरियों को जबर्दस्ती ब्रह्मचारी रहने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। जबकि कुछ का यह भी कहना है कि सभी ब्रह्मचारी लोग बाल यौन शोषण में शामिल नहीं होते और जो ऐसा कर रहे हैं, वह ऐसे ही हैं। यह भी कहा जा रहा है कि कैथलिक चर्च को पुराने दिनों में लौटना चाहिए, जब पादरी भी शादीशुदा हुआ करते थे।

धार्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का कहना है कि ब्रह्मचर्य शपथ या प्रतिज्ञा से ज्यादा एक घटना है। जब किसी के प्राण बेस चक्र से हायर चक्र में पहुंचते हैं तो शरीर निरर्थक हो जाता है और सेक्स के प्रति रुचि भी खत्म हो जाती है। ब्रह्मचारी होना एक धार्मिक प्रण है। हालांकि इस मामले में बौद्ध और कैथलिक्स के मुकाबले हिंदू धर्म थोड़ा लिबरल दिखता है। कई स्वामी हैं जो गृहस्थ भी हैं। डीप मेडिटेशन और समाधि से किसी को जितना सुख मिल सकता है, वह शारीरिक सुख से हजार गुना ज्यादा है।

Name, Fame and Game-1405 Solution

अगर आप कुछ नाम ढूंढ न पाए हों तो यहां दिए गए उत्तरों की मदद लें। नामों को आड़ी और खड़ी कतारों के नंबर व उनकी दिशा के आधार पर ढूंढें

(Over,Down,Direction)	NASOOR(14,18,SW)
AAROHAN(8,16,NW)	NEWDELHITIMES(15,24,NW)
AASHIANA(2,20,NE)	PAAR(4,11,W)
AGHAAT(2,7,SE)	PANCHVATI(15,1,S)
ANKAHEE(17,10,W)	PARTY(14,11,N)
BHAVNA(1,9,NE)	PRERANA(9,17,SW)
DAMUL(11,15,NE)	RAAHI(3,13,S)
DEVSHISHU(9,24,W)	RAMNAGRI(8,23,NW)
EKBAARCHALEAAO(14,4,W)	RAOSAHEB(11,16,E)
GANDHI(17,9,N)	SAARANSH(10,17,N)
GODAN(12,7,W)	SAATHSAATH(4,10,NE)
HOLI(7,5,SW)	SADGATI(9,3,SE)
JANAM(7,20,SE)	SANJHI(18,5,S)
KALASURAJ(9,15,SW)	SUBAH(8,11,NW)
MAATIMANAS(1,2,SE)	TARANG(10,18,E)
MASSEYSAHEB(16,24,N)	TUMLAUTAAO(1,1,E)
NAMKEEN(16,1,S)	UTSAV(2,2,E)

अंक जाल-1298 का हल

	7	15	31	15	24		18	36	
25	2	5	5	4	9		2	7	9
28	5	8	7	5	3		2	7	9
			2	6	7	9	3	7	34
14	2	5	7		5	7	8	9	29
18	2	3	8	5		7	3	6	16
25	4	5	2	5	6	3			
11	4	7		8	5	8	6	4	31
14	6	8		7	3	5	6	7	28
	18	28		25	14	39	12	11	

सुडोकू- 1488 का हल (E)

6	9	1	5	3	2	7	8	4
7	5	2	8	4	6	3	1	9
8	4	3	9	7	1	2	5	6
5	8	9	4	6	3	1	2	7
2	6	4	1	5	7	9	3	8
3	1	7	2	8	9	4	6	5
9	3	8	6	2	4	5	7	1
4	7	6	3	1	5	8	9	2
1	2	5	7	9	8	6	4	3

पेज 6 से आगे

नाभिकीय जवाबदारी बिल : खेल सब्सीडी का

जाहिर है कि इसका किसी अधिकतम सीमा से कुछ लेना-देना नहीं है। वास्तव में विएना कन्वेंशन सभी देशों को इसकी इजाजत देती है कि अपने-अपने हिसाब से अपनी जवाबदारी व्यवस्था को ढालें। मिसाल के तौर पर जर्मनी, जापान तथा फिनलेंड में जवाबदारी के मामले में कोई सीमा नहीं लगायी है, जैसी कि स्थिति अब तक भारत में कानूनी तौर पर रही है। दूसरी ओर अमेरिका में, 10.2 अरब डालर की अधिकतम जवाबदारी सीमा लागू है, जिसका प्रावधान प्राइस एंडर्सन कानून के अंतर्गत किया गया है।

यही नहीं पूरक क्षतिपूर्ति कन्वेंशन में क्षतिपूर्ति की अतिरिक्त राशियों को परिभाषित किया गया है, जो स्थापित नाभिकीय क्षमता तथा संयुक्त राष्ट्र संघ की आकलन दर के हिसाब से, पक्षकार शासनों द्वारा मुहैया करायी जाएगी। विएना कन्वेंशनों में जवाबदारी के दो महत्वपूर्ण पहलुओं को रखा गया है। इनमें पहला है, ''कड़ी जवाबदारी'' का पहलू। इसका अर्थ यह है कि अपने नाभिकीय संयंत्र में होने वाली किसी भी दुर्घटना के लिए नाभिकीय संयंत्र का ऑपरेटर ही जवाबदेह होगा। इस जवाबदारी के लिए यह साबित करने की जरूरत नहीं होगी कि दुर्घटना उसकी लापरवाही की वजह से या सोच-समझकर उसके कुछ करने से हुई थी। दूसरा पहलू प्रवाहित या चैनल्ड जवाबदारी का है। इसके तहत सारी जवाबदारी ऑपरेटर की ओर मोड़ दी जाती है और आपूर्तिकर्ताओं, ठेकेदारों आदि बाकी सभी पक्षों को सारी जवाबदारी से मुक्त कर दिया जाता है। अमरीका में प्राइस एंडर्सन एक्ट के जरिए ही पहले-पहल ये शर्तें लायी गयी थीं। वास्तव में प्राइस एंडर्सन एक्ट के लाए जाने की मुख्य वजह यह थी कि बीमा कंपनियां, अमरीका में निजी नाभिकीय संयंत्र ऑपरेटरों को बीमा की सुविधा देने के लिए ही तैयार नहीं थीं।

एक अध्ययन ने दिखाया था कि किसी नाभिकीय दुर्घटना में नुकसान 10 अरब डालर तक पहुंच सकता है। बीमा कंपनियां, नाभिकीय संयंत्रों को बीमा कवर मुहैया कराने के लिए, दुर्घटना की सूरत में बनने वाली जवाबदारी की एक अधिकतम सीमा तय कराना चाहती थीं।

आपूर्तिकर्ताओं-जी ई, वेस्टिंगहाउस, बैशेल आदि-की भी मांग थी कि ऐसी किसी दुर्घटना के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। कनाडा तथा इंग्लेंड में भी ऐसे ही प्रावधानों वाले कानून हैं।

बहरहाल, नाभिकीय संयंत्रों का संचालन करने वाले ऐसे दर्जनों देश हैं जिन्होंने न तो संबंधित विएना कन्वेंशनों का अनुमोदन किया है और न इस तरह के कानून के बनाए हैं। वास्तव में नाभिकीय आपूर्तिकर्ताओं की जवाबदारी के ही मुद्दे पर रूसियों तथा अमरीकियों के बीच विवाद बना रहा है। अमरीकी इसका आग्रह करते रहे हैं कि रूसियों को पूरक क्षतिपूर्ति संबंधी कन्वेंशन पर दस्तखत करने चाहिए, जो जान-बूझकर क्षति पहुंचाने की सूरत में भी नाभिकीय आपूर्तिकर्ताओं की जवाबदारी से रक्षा करेगी। रूसियों ने अब तक अमरीकियों की मांग पूरी नहीं की है। भारत अब जिस तरह का विधेयक पारित करने की तैयारी कर रहा है, वैसा कानून ज्यादातर देशों ने नहीं बनाया है। और जिन देशों ने इस तरह का कानून बनाया भी है, नाभिकीय दुर्घटना की सूरत में जवाबदारी की अधिकतम सीमाएं, भारत में प्रस्तावित की जा रही सीमाओं के मुकाबले काफी ऊंची रखी गयी हैं।

यह संरक्षण क्यों?

अमरीकी नाभिकीय उद्योग के महत्वपूर्ण प्रवक्ता, ओमर एफ ब्राउन ने भारत में नाभिकीय जवाबदारी कानून की जरूरत पर अमरीका के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा था: ''इस समय भारत में नाभिकीय जवाबदारी कानून नहीं है, जो उसकी सुविधाओं पर लागू होता हो। इसलिए, नाभिकीय जवाबदारी को लेकर चिंताएं, भारत के साथ किसी भी नाभिकीय व्यापार में एक बड़ी बाधा साबित होने जा रही हैं... नाभिकीय जवाबदारी संरक्षण के बिना ज्यादातर अमरीकी नाभिकीय आपूर्तिकर्ता भारत के साथ काम करने के लिए तैयार नहीं होंगे।''

1999 में यूरेनियम इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, ओमर ब्राउन नाम के इसी वकील ने यह स्पष्ट किया था कि शासन द्वारा संचालित नाभिकीय उद्योग से अलग, निजी नाभिकीय उद्योग के लिए जवाबदारी कानूनों से संरक्षण हासिल होना क्यों जरूरी है।''यह महत्वपूर्ण है कि निजी मिल्कियतवाले ठेकेदारों तथा आपूर्तिकर्ताओं की चिंताओं में अंतर्निहित बुनियादी कारक को दोहराया जाए : निजी कंपनियों-राजकीय स्वामित्ववाली कंपनियों-की यह मौलिक जिम्मेदारी होती है कि अपने शेयरधारकों की परिसंपत्तियों की हिफाजत करें...निजी कंपनियां, अपनी तमाम परिसंपत्तियों की सीमा तक टॉर्ट तथा अन्य जवाबदारियों के दायरे में आती हैं।

किसी निजी कंपनी की परिसंपत्तियां जितनी ज्यादा होंगी, जवाबदारी की उसकी चिंताएं भी उतनी ही ज्यादा होंगी।'' बात बिल्कुल साफ है। प्रस्तावित नाभिकीय जवाबदारी विधेयक, अमरीकी निजी नाभिकीय कंपनियों को संरक्षण मुहैया कराने की ही जरूरत से संचालित है। यह ऐसी सब्सीडी का मामला है, जो भारतीय शासन अमरीकी नाभिकीय उद्योग को मुहैया कराने जा रहा है। उन्हें भरोसा दिलाया जा रहा है-सारे जोखिम हमारे होंगे, सारे मुनाफे तुम्हारे।

पहले पेज से आगे

केंद्र और बंगाल ईसाई-मुसलमानआरक्षण की ओर

फैसला लिया था, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि देश के संविधान में स्पष्ट उल्लेख है कि मजहब के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। इसके बावजूद बंगाल और केंद्र की सरकार आरक्षण देने का षड़यंत्र रच रही है। अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़ा और सामान्य वर्ग के कोटे में डकैती डाल कर मुसलमानों और ईसाइयों को आरक्षण देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि संगठन 5 करोड़ हिंदू बेरोजगार युवक-युवतियों के खिलाफ साजिश को विफल करने आंदोलन करेगी।

देश के हिंदू छात्रों की शिक्षा और रोजगार को बचाने अभियान की शुरूआत अप्रैल से की जाएगी। इसका एक्शन प्लान तैयार करने 6, 7 और 8 अप्रैल को एक बैठक बुलाई गई है। इसमें देश भर के छात्रों और बेरोजगारों को बुलाया जा रहा है। छुट्टियों के बाद जून से आंदोलन को तेजी से चलाया जाएगा। उन्होंने इस प्रस्ताव को जेहादी करार देते हुए कहा कि हिंदूओं ने देश को जेहादी मुक्त करने के लिए कमर कस ली है। हिंदू देवी-देवताओं की आपात्तिजनक पेटिंग्स बनाने वाले मकबूल फिदा हुसैन को देश में शरणार्थी बना दिया है। इसी तरह हिंदूओं की जेहादियों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।

साधु-संतों के सेक्स स्केडल में फंसने के सवाल पर कहा कि हिंदू संतों को बदनाम करने की कोशिश हो रही है। फोरेसिंक जांच के बिना साधु-संतों पर आरोप लगाना गलत है। कम्प्यूटर में मार्फिंग करके ऐसी सीडी बनाई जा रही है। उन्होंने इसे साजिश करार देते हुए कहा कि पादरियों की एक भी सीडी सामने नहीं आई है। जबकि दैहिक शोषण के सबसे ज्यादा मामले पादरियों के खिलाफ हैं।

आईपीएल टिकट के नाम पर जालसाजी

इसमें आईपीएल अलर्ट उपलब्ध कराने की बात है, तो कुछ मेल टिकट की बात कर रही हैं। उनका कहना है कि साइबर अपराधी आईपीएल -3 ही नहीं दिल्ली में होने वाले राष्ट्रमंडलीय खेलों और फुटबाल वर्ल्ड कप को भी लोगों को ठगने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईपीएल ही नहीं इन अपराधियों ने आयकर विभाग को ही अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले ही अपना आयकर रिटर्न भरने वाले प्रतीक चतुर्वेदी हाल में ऐसी ही बड़ी धोखाधड़ी का शिकार हो गए। रिटर्न भरने के कुछ हफ्तों बाद ही उनको कथित रूप से आयकर विभाग द्वारा भेजा गया एक ई मेल मिला। इसमें कहा गया था कि उनको विभाग टैक्स की जमा राशि रिफंड करने या लौटाने जा रहा है। यह राशि डेढ़ रुपए बताई गई थी। प्रतीक का कहना था कि उनके हिसाब से भी आयकर विभाग को इतनी ही राशि उन्हें रिफंड करनी चाहिए थी, इसलिए उन्हें मेल पर कोई शक नहीं हुई। यह ईमेल बजाय स्पर्म में जाने के उनके ईमेल इनबाक्स में आया था। साथ में एक फार्म भी अटैच था। इस फार्म को भरने के कुछ ही देर बाद उनका नया लैपटॉप डब्बा बन गया। उनके कंप्यूटर की हार्डड्राइव में रखी सारी जानकारी साइबर अपराधियों ने चुरा ली थी। दिल्ली की एक कंपनी में काम करने वाले प्रतीक को बाद में समझ में आया कि आयकर विभाग के नाम पर भेजी गई मेल फर्जी थी। इस युवक का कहना है कि वह अपना ज्यादातर काम लैपटॉप पर ही करता था। अपराधियों ने उसकी सारी जानकारी चुरा ली।

पिछले कुछ दिनों के अंदर टैक्स रिटर्न के नाम पर साइबर अपराधियों ने कई लोगों को इसी तरह से अपना निशाना बनाया। एप्पिन सिक्योरिटी के रजत खरे का कहना है कि साइबर अपराधी भी समय के साथ खुद को बदलते जा रहे हैं। उन्होंने ताजा घटनाक्रम के हिसाब से कंप्यूटर वायरस और मेलवेयर को लिखना शुरू कर दिया है, ताकि लोगों को इसके फर्जी होने का जरा भी अहसास न हो। ये स्पाइवेयर सारे डेटा चुराने के बाद इस बात का कोई निशान तक नहीं छोड़ते ही मूल रूप से मेल कहां से आया था।

नक्सल-संबंध उड़िया पत्रकार गुजरात में बंदी

पुलिस का कहना है कि उसके पास से उड़िया भाषा में लिखा नक्सली साहित्य मिला है। पड़ोसियों ने बताया कि महापात्र आसपास के लोगों से बहुत कम मिलता-जुलता था। कई बार 15-20 दिनों तक उसके मकान में ताला लगा रहता था। जांच में पता चला है कि वह अक्सर उस इलाके में जाता था, जहां की झोपड़ियों को प्रशासन तोड़ता था। प्रभावित लोगों से चर्चा करके उसने वहां अपना नेटवर्क तैयार करना शुरू किया था। सूत्रों का कहना है कि वह पिछले पांच सालों से सूरत में सक्रिय था। सूरत की बात करें यह हाल के कुछ महीनों के अंदर तीसरी कार्रवाई है। इससे पहले आंध्रप्रदेश की पुलिस लिंबायत इलाके से एक महिला को पकड़कर ले गई थी। छत्तीसगढ़ की पुलिस ने हजीरा इंडस्ट्रियल एरिया से तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। इंटेलिजेंस ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट के अनुसार एंटी नक्सल अभियान की वजह से नक्सली अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा जैसे इलाकों में छिपने की कोशिश कर रहे हैं।

संथारा

लेकिन इस बारे में कानूनी राय में भिन्नता है। अधिवक्ता संजय जैन कहते है कि संविधान की धारा 25 और 26 के तहत सारे धार्मिक रिवाजों की इजाज़त है, जबकि महेश जेठमलानी कहते हैं कि हर वह रिवाज, जो अंततः मौत की तरफ ले जाए आत्महत्या की कोशिश ही है। इस रिवाज पर चल रहे विवाद के कारण जैन संथारा घटनाओं का प्रचार नहीं करते। कान्दिविलि की एक महिला के मुताबिक- पहले हिन्दी और गुजराती अखबार संथारा की खबरें छापते थे, ताकि लोग श्रद्धा सुमन चढ़ा सकें, लेकिन अब पुलिस आ जाती है, और कुछ मामलों में तो लोगों को जबरदस्ती खिलाया भी जाता है।

सेक्स-चर्चा, प्रिंसिपल की पिटाई

परिजनों को प्रिंसिपल के कार्यालय से बाहर कर दिया गया। दोपहर साढ़े 12 बजे परिजनों ने कोतवाली थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करवा दी। एएसपी ने बताया कि कमलजीत सिंह छाबड़ा पर छेड़छाड़ और मजबूर करने की धारा 342 गैर जमानती धारा 354 और 384 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही छाबड़ा की गिरफ्तारी हो जाएगी।

मैं अपने से कभी संतुष्ट नहीं- विजेंद्र

लेकिन दर्शकों के समर्थन से मेरा हौसला बढ़ा और खून बहने के बावजूद मैं तीन दौर खेलकर जीतने में सफल रहा। उन्होंने अपने पदक को अपने परिजनों, कोचों और राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला के कर्मचारियों और सहायक सदस्य को समर्पित करता हूं। तालकटोरा स्टेडियम में दर्शकों की कमी की शिकायत करने वाले विजेंद्र और राष्ट्रीय मुक्केबाजी कोच गुरबक्स सिंह संधू ने कहा कि आज उनकी शिकायत दूर हो गई है।

विजेंद्र ने कहा, अपने दर्शकों के बीच खेलने का मजा की कुछ और है विदेशों में यह बात नहीं होती। आज यहां हमारे गांव के भी कई लोग आए थे। लेकिन उनके सामने आप पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव भी होता है। दर्शकों की हौसलाअफजाई के कारण मैं घायल होने के बावजूद जीत दर्ज करने में सफल रहा।

संधू ने कहा, आज भगवान भी हमारी मदद के लिए रिंग में उतरे थे। जब विजेंद्र की नाक से खून बह रहा था तो हम डर गए थे कि कहीं रेफरी मुकाबला रोक न दे। लेकिन भगवान ने हमारा साथ दिया और विजेंद्र मुकाबला जीतने में सफल रहे। उन्होंने कहा, चैंपियनशिप में हमारा प्रदर्शन बेहतरीन रहा। यह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में हमारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछली बार हम चार स्वर्ण जीतने में सफल रहे थे इस बार दो पदक बढ़ गए हैं। लेकिन इसके साथ ही हमारी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं और अब हमसे इससे अच्छे प्रदर्शन की आशा रहेगी। 91 किलोग्राम सुपर हैवीवेट वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले परमजीत समोटा ने जीत के कहा कि दिल से खेलो तो जीत पक्की है। उन्होंने कहा कि पहले दौर में वह अच्छी तरह सेट नहीं हुए थे इसलिए 0-1 से पिछड़ गए। लेकिन इसके बाद कोच ने कहा कि एक पंच से काम नहीं चलेगा लगातार पंच मारो और यह रणनीति कामयाब रही। 49 किलोग्राम लाइट फ्लाईवेट वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले अमनदीप ने कहा कि उनकी रणनीति शुरू से ही आक्रामक होने की थी जो कारगर रही। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में मध्य एशियाई देशों के मुक्केबाजों से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है।

आखिरी पेज से आगे

विधेयकों से बदलते राजनीतिक समीकरणों से काँग्रेस परेशान

कोशिश यही है कि महिला आरक्षण बिल को लेकर गतिरोध को किसी भी तरह से दूर किया जाए। राकांपा के नेता शरद पवार ने मुलायम सिंह यादव, लालू यादव और अन्य लोगों के साथ पहले दौर की बातचीत कर ली है। पर काँग्रेस के सूत्रों का कहना है कि 10 जनपथ का रुख समझौता करने के पक्ष में बिल्कुल नहीं है।

काँग्रेस बड़ा जोखिम लेने की सोच रही है। पार्टी के अंदर के लोगों का कहना है कि अगर महिला आरक्षण को लेकर यूपीए की सरकार गिरी तो अगले चुनाव में काँग्रेस को और ज्यादा सीटों पर जीत मिल सकती है। बहुत संभव है कि उसकी पूर्ण बहुमत के साथ वापसी हो। 1971 में इंदिरा गांधी ने भी इसी तरह से शानदार वापसी की थी। उनका कहना है कि महिला आरक्षण बिल के मामले में पूरा लाभ काँग्रेस को मिलेगा, न कि भाजपा या वामपंथी दलों को।

बंदर मादाओं से ज़्यादा सीखते हैं

स्विट्जरलैंड के नॉश्तेल विश्वविद्यालय की जीव वैज्ञानिक एरिका वाँ डी वाल और उनकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका में इस खास प्रजाति के बंदरों के छह समूहों पर ये अध्ययन किया गया। इस प्रयोग के तहत बंदरों को बक्से दिए गए जिनमें फल भरे थे। उन बक्सों के अंतिम सिरे पर दरवाजे लगे हुए थे जिन पर अलग-अलग रंग लगाया गया था।

एक शुरूआती प्रदर्शन के दौरान शोधकर्ताओं ने एक दरवाजे को अटका दिया था इसलिए इस बक्से को खोलने की पहेली हल करने का सिर्फ एक ही रास्ता बचा था। यानी उस दरवाजे को खोलकर बंदर फल हासिल कर सकते थे। बंदरों के तीन समूहों के सामने इस पहेली को सुलझाने के प्रदर्शन के लिए एक असरदार नर बंदर को चुना गया। अन्य तीन समूहों में ये काम एक असरदार मादा बंदर को सौंपा गया।

जीव वैज्ञानिक वाँ डी वाल का कहना था- इस प्रक्रिया में बंदरों ने प्रयास और त्रुटि के जरिए बक्से को खोलना सीखा। जब उन्होंने ये सीख लिया कि दरवाजे को किस तरह से खींचकर या खिसकाकर खोला जाए तो हमने उन्हें 25 बार ये नमूना पेश करने का काम सौंपा। ये नमूना दिखाने के बाद ये देखा गया कि जिस समूह में मादा बंदरों ने ये काम करके दिखाया था उस समूह में ज़्यादा संख्या में बंदरों ने बक्से का दरवाजा खोलने की सफल कोशिश की।

वैज्ञानिकों का कहना है- हमने देखा कि जब कोई मादा बंदर ये काम करके दिखा रही थी तो पास खड़े बंदरों ने उस काम को ज़्यादा ध्यान से देखा। लेकिन जब नर बंदर ये काम कर रहे थे तो पास खड़े अन्य बंदरों का ध्यान उस काम की तरफ कम रहा। वैज्ञानिकों के अनुसार बंदरों के सामाजिक बर्ताव सीखने की प्रक्रिया में यह एक असरदार कारक नजर आता है। ऐसा समझा जाता है कि असरदार मादा बंदर को कोई काम करते देखना और उससे सीखना बंदरों के लिए एक काफी लाभदायक हो सकता है। नर बंदरों की ये प्रवृत्ति है कि वो यहाँ-वहाँ घूमते रहते हैं और मादा बंदरों की तलाश में दूसरे समूहों में भी चले जाते हैं मगर मादा बंदरों में देखा गया है कि वो उसी समूह में रहना पसंद करती हैं जिनमें उनका जन्म होता है।

इन वैज्ञानिकों का कहना है- मादा बंदरों को किसी भी समूह का ज़्यादा महत्वपूर्ण सदस्य माना जाता है जिनका सामाजिक दर्जा और रुतबा नर बंदरों के मुकाबले ऊँचा होता है। इतना ही नहीं, मादा बंदरों को अपने निवास स्थल के आसपास खाने-पीने की चीजों की मौजूदगी के बारे में नर बंदरों के मुकाबले ज़्यादा जानकारी होती है। (बीबीसी)

3 बीवी, 20 बच्चे, खर्चा सरकारी

रूप से कोई पद नहीं है, फिर भी वे लोग राष्ट्रपति के साथ सरकारी यात्राओं पर जाते हैं। संसद में इस सवाल का लिखित जवाब देते हुए सरकार की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति जैकब जूमा की पत्नियां कई कल्याणकारी कामों मे मदद करती हैं। सरकार की ओर से कहा गया कि उन्हें वो सभी मदद दी जाती है जो उनके काम के लिए चाहिए। वर्ष 2009 में जैकब जूमा के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद उनकी निजी जिंदगी को लेकर आरोप लगते रहे हैं।

जैकब जूमा की पाँच पत्नियां थीं जिनमें एक से तलाक हो गया और एक की मौत हो गई। वर्तमान में उनकी तीन पत्नियां हैं। उन पर बिना शादी किए संतान पैदा करने का भी आरोप लगा था। ये आरोप सही निकला और अवैध संतान को लेकर उन्हें माफी भी मांगनी पड़ी थी।